प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय पंतनगर, जिला- ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

फसलों की सूखा अवरोधी किस्मों का विकास करें वैज्ञानिक-डा. पॉल

पंतनगर। २४ फरवरी, २०१८। वातावरण परिवर्तन एवं भूमंडलीय ऊष्मीकरण को देखते हुए वैज्ञानिकों को विभिन्न फसलों के सूखा अवरोधी बीजों का विकास करना चाहिए, ताकि किसान को कम वर्षा या अधिक तापमान हो जाने पर भी उचित उत्पादन प्राप्त हो सके। यह बात आज उत्तराखण्ड के राज्यपाल, डा. के.के. पॉल, ने पंतनगर विश्वविद्यालय के १०३वें किसान मेले के गांधी हाल में आयोजित उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए कही। डा. पॉल ने आगे कहा कि वातावरण का बदलाव दीर्घकालीन है, जिसे देखते हुए हमें भी बदलना होगा, ताकि उत्पादन कम न हो व किसानों को नुकसान न हो। राज्यपाल ने पानी की कमी को देखते हुए उसके कम से कम प्रयोग से अधिक से अधिक उत्पादन प्राप्त करने की तकनीकों का विकास तथा उन्हें किसानों तक पहुंचाने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने फसल अवशेषों को खेतों में जलाये जाने से होने वाले प्रदूषण के प्रति किसानों को जागरूक किये जाने के लिए वैज्ञानिकों से कहा क्योंकि इससे अंततः खेती को भी नुकसान होता है। डा. पॉल ने यह भी कहा कि किसानों की आय दोगुना करने के लिए उत्पादन दोगुना करने की आवश्यकता नहीं है बल्कि खेती से जुड़े दूसरे अवयवों से किसानों की आय में वृद्धि की जा सकती है।

इससे पूर्व राज्यपाल ने गांधी मैदान में लगे किसान मेले का फीता काटकर उद्घाटन किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति, प्रो. ए.के. मिश्रा; निदेशक प्रसार शिक्षा, डा. वाई.पी.एस. डबास; स्थानीय विधायक, श्री राजेश शुक्ला; प्रबंध परिषद के सदस्य, श्री राजेन्द्र पाल सिंह, के अतिरिक्त अन्य गणमान्य अतिथि एवं वैज्ञानिक उपस्थित थे। कुलपति, प्रो. ए.के. मिश्रा, द्वारा डा. पॉल को मेले में लगे स्टालों का अवलोकन कराया गया। इसके बाद कुलपति ने मुख्य अतिथि को खुली जीप में बैठाकर मेला प्रांगण का भ्रमण कराया। मुख्य उद्घाटन समारोह गांधी हाल सभागार में आयोजित किया गया।

उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता कर रहे कुलपति, प्रो. ए.के. मिश्रा, ने कहा कि कृषि लागत में कमी एवं कृषि उत्पादकता में वृद्धि के द्वारा किसानों की आय दोगुना करने के लिए मेले में विभिन्न स्टालों से जानकारी दी जा रही है। प्रो. मिश्रा ने किसानों को फलों, दूध सब्जियों, इत्यादि के मूल्यवर्धित उत्पाद बनाये जाने की सलाह दी, जिससे उनकी आय में वृद्धि हो सके। उन्होंने समन्वित खेती के साथ ही कृषि अधारित व्यवसाय, जैसे मशरूम उत्पादन, मुर्गी पालन, पशुपालन, मछली पालन, इत्यादि, को अपनाये जाने की भी वकालत की।

उद्घाटन सत्र के प्रारम्भ में निदेशक प्रसार शिक्षा, डा. डबास ने सभी आगन्तुकों का स्वागत किया एवं मेले के विषय में जानकारी दी। कार्यक्रम के अंत में विश्वविद्यालय के निदेशक शोध, डा. एस.एन. तिवारी, ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। गांधी हाल में बड़ी संख्या में किसान, विद्यार्थी, वैज्ञानिक, शिक्षक, जिला प्रशासन के अधिकारी एवं अन्य आगंतुक उपस्थित थे। मेले में उत्तराखण्ड के विभिन्न जनपदों के साथ-साथ अन्य प्रदेशों तथा नेपाल के किसान भी बड़ी संख्या में आते हैं। इस अवसर पर मुख्य अतिथि द्वारा विभिन्न कृषि साहित्यों का विमोचन भी किया गया।

किसान मेले का फीता काटकर उद्घाटन करते उत्तराखण्ड के राज्यपाल, डा. के.के. पॉल, साथ में पंतनगर विश्वविद्यालय के कुलपति, प्रो.ए.के. मिश्रा; क्षेत्रीय विधायक, श्री राजेश शुक्ला; प्रबंध परिषद के सदस्य, श्री राजेन्द्र पाल सिंह एवं वैज्ञानिक।

किसान मेले के उद्घाटन समारोह में किसानों व अन्य उपस्थितजनों को गांधी हाल में सम्बोधित करते राज्यपाल, डा. के.के. पॉल।